

शराफत, सज्जनता, भद्र व्यवहार, सज्जनों के समान व्यवहार, अच्छा व्यवहार करने का गुण।

**भला वि.** (तद्.) 1. भद्र, अच्छा, सुंदर 2. निर्दोष, परिष्कृत, सुसंस्कृत, नेक, उत्तम, श्रेष्ठ, बढ़िया 3. जो दूसरों का हित करता हो या चाहता हो  
**पुं.** (देश.) 1. हित, कल्याण, भलाई 2. लाभ  
*अव्य.* अस्तु, खैर, अच्छा।

**भलाई स्त्री.** (देश.) 1. भलापन, खैरियत, अच्छाई 2. हित, लाभ 3. किसी के साथ किया जाने वाला उपकार, नेकी।

**भलाका पुं.** (देश.) भलका, तीर का फलक, गाँसी।

**भले वि.** (देश.) 'भला' का बहुवचन या आदरार्थक रूप *क्रि.वि.* 1. भली-भाँति, खूब 2. वाह 3. अच्छी तरह से, पूरी तरह से, पूर्णतः 4. ऐसा हो 5. चाहो तो।

**भल्लक पुं.** (तत्.) 1. भालू, रीछ, भल्लुक, भल्लूक, भालुक, भालूक, भाल्लुक, भाल्लूक 2. कुत्ता 3. भिलाँवा नामक वृक्ष 4. एक पक्षी का नाम 5. एक प्राचीन जनपद।

**भल्लातक पुं.** (तत्.) 'भिलावाँ' नामक वृक्ष, भल्लात।

**भवंग पुं.** (तद्.) भुजंग, सर्प, साँप, भवंगा।

**भवंत पुं.** (तत्.) 1. वर्तमान काल में, इस बीच में 2. आप लोगों का, आपका।

**भव पुं.** (तत्.) 1. होने की अवस्था, क्रिया या भाव, सत्ता होना, उत्पत्ति, संसृति, जनम, प्राप्ति 2. विश्व, संसार, जगत् 3. हेतु, कारण 4. अग्नि, शिव, महादेव 5. कुशल 6. मेघ, बादल 7. कामदेव *वि.* (तत्.) समस्त पद के अंत में, जनमा हुआ, से उत्पन्न उदा. मनोभव।

**भवचाप पुं.** (तत्.) शिव का धनुष।

**भवच्छेद पुं.** (तत्.) जन्म-मरण से मुक्ति, संसार में आवागमन से मुक्ति।

**भवजल पुं.** (तत्.) संसार रूपी समुद्र, भवसमुद्र।

**भवजाल पुं.** (तत्.) संसार रूपी प्रपंच, झंझट, बखेड़ा, संसार का माया जाल।

**भवतारक वि.** (तत्.) संसार के बंधन से पार ले जाने वाला।

**भवत्रास पुं.** (तत्.) संसार रूपी बंधन का भय।

**भवदीय वि.** (तत्.) आपका (पत्र के अंत में नाम या हस्ताक्षरों से पहले लिखा जाने वाला शब्द)।

**भवधनु पुं.** (तत्.) शिव का धनुष।

**भवन पुं.** (तत्.) 1. होना, भाव 2. जन्म, उत्पत्ति 3. जन्म-कुंडली, क्षेत्र 4. घर, मकान, इमारत, प्रासाद, महल, आश्रय आवास या आधार का स्थान, अधिष्ठान 5. जगत्, संसार, प्रकृति *काव्य.* में छप्पय का एक भेद।

**भवनपाल पुं.** (तत्.) 1. द्वारपाल, प्रतिहार 2. किसी भवन या कार्य-स्थान पर साफ-सफाई, बिजली-पानी तथा अन्य, सुविधाओं का ध्यान रखने वाला कर्मचारी।

**भवना अ.क्रि.** (तद्.) भ्रमण, घूमना फिरना, चक्कर काटना, मँडराना।

**भवनिशा स्त्री.** (तत्.) संसार रूपी रात्रि।

**भवपाश पुं.** (तत्.) 1. संसार रूपी जाल 2. जन्म-मरण का बंधन।

**भवपीर स्त्री.** (तद्.) संसार रूपी क्लेश, बार-बार के जन्म-मरण की पीड़ा।

**भवबंधन पुं.** (तत्.) संसार रूपी बंधन, जन्म-मरण का चक्र या चक्कर या पाश।

**भवबाधा स्त्री.** (तत्.) 1. सांसारिक विघ्न या दुःख यथा, दरिद्रता, रोग अथवा चिंता आदि 2. बार-बार के जन्म-मरण का दुःख।

**भवभंजन पुं.** (तत्.) 1. संसार में बार-बार जन्म-मरण के बंधन का नाश करने वाला, परमात्मा 2. संसार-नाशक काल।

**भवभाजन पुं.** (तत्.) संसार का पात्र, संसार में आवागमन के योग्य व्यक्ति।

**भवभामा स्त्री.** (तत्.) भवभामिनी, भववामा, शिव-पत्नी, पार्वती।